2018

HINDI LETTER WRITING, DRAFTING OF REPORT, PRÈCIS WRITING, COMPOSITION AND TRANSLATION

Time Allowed—3 Hours *Full Marks—200*

If the questions attempted are in excess of the prescribed number, only the questions attempted first up to the prescribed number shall be valued and remaining ones ignored.

1. Write a letter in about 150 words (*any one*): 40

(Write XYZ for Name and Address)

(क) बढ़ते प्रदूषण का दुष्प्रभाव

(ख) जीवन में त्यौहारों का महत्त्व

(ग) मोबाइल के अंधाधुंध प्रयोग से होने वाले नुकसान।

2. Draft a report in about 200 words: 40

आँखों देखी रेल दुर्घटना

3. Write a précis of the following passage in Hindi (Use the special sheet provided for the purpose): 40

मानव के विभिन्न मनोविकारों में क्रोध का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। इस मनोविकार के कारण मनुष्य अपने स्वरूप को त्याग कर दानव हो जाता है। क्रोध के प्रभाव से उसके चेहरे का रूप और उसके घाव-भाव बदल जाते हैं। क्रौध के लक्षणों में लाल आँखे, आरक्त चेहरा, दृढ़ता से सटे ओठ तथा फुले हुए कपोल हो सकतें हैं। कभी कभी मनोविकार में दाँत भी भिंच जाते हैं। वाणी में रुखापन और कठोरता आ जाती है। इस अवस्था में उसके सामने दर्पण ले जाने पर वह अपने भयानक चेहरे तथा उसके भावों के कारण खुद को ही नहीं पहचान पाएगा। क्रोध के कारण मनुष्य का विवेक नष्ट हो जाता है, जिसका प्रभाव उसकी चिंतन शक्ति पर पढ़ता है। चिंतन शक्ति का विकास जहाँ व्यक्ति को प्रगति के मार्ग की ओर अग्रसर करता है, वहीं क्रोध उसके कार्य की प्रगति को अवरुद्ध कर देता है। इस विकार के कारण व्यक्ति अपनी तथा दूसरे दोनो की दृष्टि में गिर जाता है। ऐसा व्यक्ति कुछ-कुछ सनकी, हठी और अहंकारी हो जाता है। उसमें दूसरे के प्रति करुणा और सहानुभूति की भावना नहीं रहती। समाज में उसे कोई सम्मान नहीं मिलता और मिलता भी है तो उसमें अपनत्व की भावना नहीं रहती। कई बार क्रोध में आपा खोकर व्यक्ति अनर्थ भी कर बैठता है। अत: सभी विद्वान, समझदार तथा सहानुभूति से पूर्ण व्यक्ति हमेशा यही शिक्षा देते हैं— कि इस हानिकारक विकार से बचने का प्रयत्न करना चाहिए क्योंकि क्रोध अक्सर हमारे लिए अभिशाप बन जाता है, वरदान नहीं।

4. Write a composition on the following topic: 40

भ्रष्टाचार का सामाजिक जीवन पर प्रभाव (भ्रष्टाचार का अर्थ........भ्रष्टाचार के रूप: रिश्वत, कामचोरी, मिलावट, मुनाफाखोरी, भाई-भतीजावाद, कालाबाजारी, जमाखोरी आदि......... भ्रष्टाचार के कारण......... भ्रष्टाचार का समाज पर प्रभाव.......... भ्रष्टाचार की समस्या से मुक्त होने के रास्ते)

5. Translate into Hindi: 40

One day Sir Isaac Newton went out of his room leaving on the table a heap of papers containing his long research on the theory of light. There was on the floor of the room lying his pet dog, Diamond. No sooner had he gone than the dog jumped upon the table and upturned the lighted candle and the papers immediately caught fire. Returning after a few minutes Newton found that all his hard labour of twenty years had been reduced to ashes. But the great scientist patted the dog on the head exclaiming, "Oh; Diamond, you don't know what you have done!"